



इंदौर। एम टी एच नवदुर्गा में मंदिर प्रांगण में नन्ही नन्ही बालिकाओं ने मां की आराधना के पवन पर्व में हवेलीय के साथ गव्वा किया। नन्ही बालिकाओं ने भी उत्साह के साथ भाग लिया।

16 दिवसीय विशेष अनुष्ठान के प्रथम दिवस रजत गज पर विराजी मां पीताम्बर देवी



इन्दौर। मां बगलामुखी पीताम्बर की 16 दिवसीय विशेष साधना श्री धाम उषा नगर एक्सटेंशन पर शुरू हुई। प्रथम दिवस में मां को रजत गज पर विराजित कर उनका विशेष पूजन और श्रृंगार किया गया।

श्री धाम के ईश्वर भाद्रान और सुधीर सेठिया ने बताया अनुष्ठान का समापन अर्धन पुर्णिमा पर हवन के साथ होगा। वहीं पुर्णिमा तक चलने वाले इस अनुष्ठान में प्रतिदिन चक्र पूजा, कल्प विधान और विविध द्रव्यों से अभिषेक कर मां का श्रृंगार स्वर्ण-रजत पुष्प, केसर और हनु से किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिदिन मध्यरात्रि में महाअरती होगी।

वार्षिक फाइलिंग और कानूनी प्रावधानों पर सेमिनार आयोजित किया



इन्दौर। कंपनियों की वार्षिक फाइलिंग और कानूनी प्रावधानों पर आईसीआई इंदौर शाखा और इंदौर सीए स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा संस्थान सभागार में एक सेमिनार आयोजित किया गया।

जिसमें सीए-सीएस प्रवीण त्रिपाठी ने फाइलिंग की व्यावहारिक आवश्यकताओं और सीएस रिटर्न जैन ने वार्षिक विवरणी के प्रावधान समझाए। इंदौर शाखा अध्यक्ष सीए समीर चंद ने कंपनी कानून और फाइलिंग संबंधी बदलावों की जानकारी को जल्दी बताया।

अमेयन में सीए फंकन शाह, अंकुश जैन, मिलिंद बाबावानी और मेधा जैन का विशेष सहयोग रहा। संचालन सीए नारायण सोमानी और आभार सीए लविश तलिवु ने माना।

राजमाता सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन



इन्दौर। शहर भाजपा कार्यालय जावरा कपाडंड के समीप स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने राजमाता सिंधिया की जयंती पर माल्यार्पण कर उन्हें सादर नमन किया।

इस दौरान अपने संबोधन में महापौर ने राह और समाज के प्रति उनके योगदान को सादर स्मरण कर विमम श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्रसेवा, त्याग और समर्पण से परिपूर्ण उनका जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा एवं भाजपा के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



अब स्कूलों में पढ़ाई के साथ बच्चों का तनाव भी होगा दूर

इंदौर। स्कूलों में अब केवल किताबी ज्ञान और परीक्षा के अंकों पर ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जाएगा। पढ़ाई के दबाव, परीक्षा की चिंता और व्यक्तिगत उलझनों से बच्चों को उबारने के लिए मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग ने शासकीय विद्यालयों में कई नवाचार किए हैं। उद्देश्य है कि विद्यार्थी तनाव के बजाय आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और स्कूल उनके लिए पढ़ाई के साथ मानसिक सुकून का भी केंद्र बनें।

लोक शिक्षण संचालनालय के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान को इस पक्ष के तहत विद्यार्थियों को अपनी बात खुलकर कहने, समस्याओं का समाधान पाने और

सकारात्मक माहौल में सीखने के अवसर दिए जा रहे हैं। विभाग ने प्रदेश के जिला शिक्षा अधिकारियों और विद्यालयों के प्रचारियों को इन गतिविधियों के सुचारु संचालन और रिकॉर्ड संभारण के निर्देश दिए हैं। इस पक्ष के जरूरत बच्चों के मानसिक कल्याण को शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

उमंग प्रश्न पेटी में लिख सकेंगे मन की बात

विद्यार्थी अपनी परेशानों, चिंता या उलझन को बिना नाम बताए 'उमंग प्रश्नपेटी' में लिखकर डाल सकते हैं। स्कूल हेल्थ राउट वेलेनस एक्सपर्ट इन समस्याओं पर मार्गदर्शन देते हैं। इससे बच्चों को बिना शिक्षक अपनी बात रखने और उचित समाधान पाने का अवसर



मिलता है। विद्यालयों में 'काइडनेस वॉल' और 'ग्रेटिचुड जार' के माध्यम से बच्चों में दयावत्ता, सहयोग और कुवृत्ता की भावना विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यार्थी एक-दूसरे के लिए प्रोत्साहन और आभार के संदेश लिखते हैं। इससे स्कूल में सकारात्मक वातावरण बनाने और बच्चों के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

- नवाचार....बदलते दौर की शिक्षा व्यवस्था

- उमंग प्रश्नपेटी, योग और 'काइडनेस वॉल' से मानसिक स्वास्थ्य

पढ़ाई से ब्रेक, खेल और योग से तनाव पर चार

'नो स्क्रीन' और 'नो होमवर्क-डे' जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को मोबाइल और पढ़ाई के लगातार दबाव से राहत देने पर जोर है। खेल, कला और संगीत के साथ प्रार्थना सभा में योग, प्राणायाम और गहरी सांस लेने के अभ्यास कराए जा रहे हैं। इसके अलावा विशेषज्ञों और मानसिक चिकित्सकों के परामर्श सत्र आयोजित करने तथा 'ओपन

माइक' के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को अपने अनुभव साझा करने के अवसर देने की पहल भी की गई है।

पढ़ाई के साथ मानसिक मजबूती भी प्राथमिकता

शिक्षा विभाग का उद्देश्य विद्यालयों में ऐसा सुरक्षित और प्रेरणादायक वातावरण बनाना है, जहाँ बच्चे अपनी समस्याएं साझा कर सकें और जरूरत के समय मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें। इसके लिए गतिविधियों के नियमित संचालन और उनकी निगरानी पर जोर दिया गया है। पहल की वास्तविक सफलता इस बात से तय होगी कि विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर कितना लाभ मिलता है और उनकी समस्याओं का समाधान कितने प्रभावी तरीके से हो पाता है।

विशेषज्ञों की कमी से फोरेंसिक वैज्ञान का नहीं हो पा रहा पूरा इस्तेमाल

इंदौर। अपराधस्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए मध्यप्रदेश को 57 से अधिक मोबाइल फोरेंसिक वैज्ञानिकों की कमी है, लेकिन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की कमी इनकी उपयोगिता पर सवाल खड़े कर रही है।

काबि 35 करोड़ रुपए की लागत से मिली इन वैज्ञानिकों का प्रभावहीन इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए अब पुलिस मुख्यालय गुजरात के गांधीनगर स्थित नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफयू) का सहयोग लेने की तैयारी में है। विश्वविद्यालय से तकनीकी मदद, विशेषज्ञ मानव संसाधन और आधुनिक जांच पद्धतियों का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

प्रदेश की फोरेंसिक प्रयोगशालाओं में कर्मचारियों की कमी के कारण वैज्ञानिक जांच व्यवस्था पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों

- अब उपलब्धता बढ़ाने एनएफयू से मदद लेना मप्र - 35 करोड़ की लागत से मिली 57 से ज्यादा मोबाइल वैज्ञानिक पदों के मुकाबले महज 240 विशेषज्ञ कार्यरत

की मदद से लिखित मामलों की जांच तेज करने और वैज्ञानिक कार्यों के विश्लेषण की गुणवत्ता सुधारने की योजना है। नियमित भर्ती प्रक्रिया में समय लगने की आशंका के चलते पुलिस मुख्यालय वैज्ञानिक व्यवस्था पर विचार कर रहा है।

2003 स्वीकृत पद, सिर्फ 240 विशेषज्ञ

फोरेंसिक विभाग में 2003 पद स्वीकृत हैं, जबकि काबि 240 विशेषज्ञ ही कार्यरत बताए जाते हैं। अब 2026 में प्रयोगशाला तकनीकियों के 19, प्रयोगशाला सहायक के 28 और प्रयोगशाला

परिचारक के 50 पद भरे गए हैं। इसके बावजूद विशेषज्ञों की कमी दूर नहीं हो सकी है। उपलब्ध विशेषज्ञों को प्रयोगशाला के काम और अदालती मामलों से भी जुझना पड़ता है। इससे अपराधस्थल पर पहुंचकर जांच करने और साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

साइबर और डिजिटल जांच में मिलेगी मदद

प्रस्ताव के तहत एनएफयू से सेक्टरल लैबों में सहयोग कर सकते हैं। डिजिटल फोरेंसिक

और साइबर अपराध की जांच में विश्वविद्यालय की विशेषज्ञता और आधुनिक प्रयोगशाला संसाधनों का लाभ लेने की योजना है। पुलिस अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों को नई जांच तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जा सकेगा।

वैन में 17 से अधिक प्रकार की किट

मोबाइल फोरेंसिक वैन में डीएनए, नारकोटिक्स, रक्त, सीमेन, फुटप्रिंट, टायर प्रिंट और गनशॉट जांच से जुड़ी किट सलित 17 से अधिक प्रकार के उपकरण बताए गए हैं। इनमें डीएनएलैब और बाइ-जॉर्न कैमरे जैसे उपकरण भी शामिल हैं। इनकी मदद से घटनास्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा सकते हैं। हालांकि, पर्याप्त प्रशिक्षित मानव संसाधन के बिना इन सुविधाओं का पूरा लाभ लेना चुनौती बना हुआ है।

11 दिवसीय इंद्रध्वज महामंडल विधान - पहले दिन 3 महिलाओं ने ली जैनैरवरी दीक्षा



इन्दौर। सुनौलसगर महाराज सा के सांख्यिक में नेमीनगर जैन कॉलोनी में शुरू हुए 11 दिवसीय इंद्रध्वज महामंडल विधान के पहले दिन तीन महिलाओं ने जैनैरवरी दीक्षा लेकर सांसारिक जीवन त्याग संन्यास का मार्ग अपनाया। दीक्षा पश्चात जयश्री दीदी आर्चना अजयमती माताजी, सुमित्रा दीदी बुद्धिका अमिंगमती माताजी और निर्मला दीदी बुद्धिका अशरणीमती माताजी बनीं।

इस अवसर पर दीक्षार्थियों की गोदभाई का मार्गिक कार्यक्रम भी हुआ। इस अवसर पर अपने पक्वचन में महाराज जी ने कहा कि दीक्षा की लिए केवल इच्छा पर्याप्त नहीं, दृढ़ पुण्याश्रं और गुरु कृपा भी जरूरी है। उन्होंने बताया इसमें 458 चैत्यालयों और 458 इंदौर द्वारा आराधना का भाग निरत है।

संयोजक इंद्रकुमार सेठी, अध्यक्ष कैलाश लुहानिया और संत्री गिरिश पटोदी के अनुसार विधान 21 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान और आराधना होगी।

एच.एफ.आर.एच.पी.आर आईडी बनाने के लिए अस्पतालों को दिया गया तीन दिन का समय



इंदौर। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत इंदौर जिले में स्वास्थ्य विभाग ने 58 अस्पतालों को पत्र जारी कर तीन दिवस में HFR-HPR आईडी बनाने का समय दिया है। समय-समय में हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एच.एफ.आर.)- हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एच.पी.आर.) आईडी नहीं बनाने वाले चिकित्सालयों के विरुद्ध म.प्र. उपचर्या गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थानाएं (रजिस्ट्रिकरण तथा अनुज्ञापन अधिनियम 1973) नियम 1997 (यथा संशोधित 2021) के अंतर्गत के पंजीन निरस्तिकरण की कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा इंदौर जिले के अस्पतालों में हेल्थ फैसिलिटी के कार्य में संलग्न सदस्यों के हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एच.एफ.आर.) एवं उक्त संस्थाओं में कार्यरत पात्र हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स का हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एच.पी.आर.) अनिवार्य रूप से किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भाष्य प्रकाश हसनानी ने बताया कि अनेक पत्रों के माध्यम से अस्पतालों को समय भी कराया गया था, किन्तु उक्त अस्पतालों द्वारा यह कार्य अभी भी अपूर्ण है।

क्षमा, समभाव और परोपकार को बताया आत्मकल्याण का मार्ग

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में गच्छार्थीजित जैनार्थ्य श्रीमद् विनय निरन्तरेश्वरीश्री महाराज साहब की पवन निश्रा में आयोजित धर्मसभा में वरिष्ठ मुनिराज डॉ. सिद्धांत विजयजी म.सा. ने भीमसेन चरित्र के माध्यम से पुण्य-पाप, क्षमा, समभाव, उदारता और आत्मकल्याण का महत्व समझाया। मुनिराजजी ने कहा कि धन-संपत्ति की सार्थकता दान, सेवा एवं धर्मकार्यों में उसके सदुपयोग से है। शुभ विचार शुभ कर्मधर्म का कारण



बनते हैं। सुख-दुःख और लाभ-हानि में समभाव रखते हुए क्रोध, द्वेष एवं प्रतिस्पर्धा के स्थान पर क्षमा, धैर्य और धैर्यके अग्रगण्यता चाहिए। किसी के बारे में सत्य जाने बिना धारणा नहीं बनानी चाहिए तथा दोनों पक्षों की बात सुनकर ही निर्णय लेना चाहिए। जल, तपस्या, जप, स्वाध्याय, धर्मांधारणा और जलकर्मसंध सार्थकता की सेवा से आत्मकल्याण का मार्ग प्रसरण होता है। धर्मसभा में उज्जैन एवं सूत से संत पधारे मोहनजी एवं अपितजी

बागवाला की ओर से प.पू. निरन्तरेश्वरी म.सा. के सांसारिक पिता श्री सारंगलजी बागवाला, श्री युगार्थविजयजी म.सा. के श्री विजयजी, श्री चिरायकल श्रीजी एवं श्री मौनदुष्टश्रीजी म.सा. के भाई श्री अशोकजी (सूरत), श्री अरुणलालनिधिजी म.सा. के मासुलकल बादरमल सेठ (तीनुड, धारा) तथा श्री ध्यानदुष्टश्रीजी म.सा. की चन्द्रिका बहन, बाबूलालजी दूधता एवं चिराग भाई डोरी का बहुमान किया गया। लाल गुरुदेव की आरती का लाभ

चखीवेन माणकलालजी बोधरा, सूत ने लिया। श्री सौरभ पिता श्री सारंगलजी त्रिस्तुति जैन श्रेश्ठमश्रीश्री, इंदौर की ओर से रावेंद्र रणवाल द्वारा प्रथमना वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन निरन्तरेश्वरी सुगुण ने किया तथा गणेश जैन युवा ने आभार माना। धर्मसभा में नेत्रदजी गुलिया, अभयजी (अलीगंजपुर), विरन्तरजी (मधुवन कालीनी), अशोकजी रत्नलाल एवं सुधीरकुमारजी चिमनलालजी जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।